I/33

1505E574

Candidate's Seat No :

M.Phil Arts Examination
Paper-II : Hindi
May-2017

Time : 3 Hours] [Max. Marks : 75

HIN602 आधुनिक साहित्य : वैचारिकता एवं सर्जनात्मकता(अन्तर्विद्याकीय अध्ययन)

प्रश्न-1 सर्जनात्मक साहित्य पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव की सविस्तार चर्चा कीजिए । (15)

अथवा

प्रश्न-1 रचनात्मक साहित्य के संदर्भ में साहित्य एवं दर्शन के अटूट संबंध की चर्चा कीजिए ।

प्रश्न-2 हिन्दी के मनोवैज्ञानिक कथा-साहित्य की चर्चा कीजिए । (15)

अथवा

प्रश्न-2 रचनात्मक साहित्य के संदर्भ में साहित्य में समाजशास्त्र के संबंध की चर्चा कीजिए ।

प्रश्न-3 मध्ययुगीन भक्ति साहित्य में समाजदर्शन की विस्तृत चर्चा कीजिए । (15)

अथवा

प्रश्न-3 आधुनिकता से क्या तात्पर्य है ? हिन्दी कथा-साहित्य के संदर्भ में आधुनिकता की चर्चा कीजिए ।

प्रश्न-4 आधुनिकता के संदर्भ में हिन्दी नाटकों की चर्चा कीजिए । (15)

अथवा

प्रश्न-4 समकालीनता का अर्थ स्पष्ट करते हुए हिन्दी कविता में समकालीनता की विस्तृत चर्चा कीजिए।

प्रश्न-5 आधुनिकता के संदर्भ में हिन्दी उपन्यासों की चर्चा कीजिए। (15)

अथवा

प्रश्न-5 आधुनिकता एवं उत्तर-आधुनिकता के भेद स्पष्ट करते हुए उत्तर-आधुनिकता की किसी एक रचना की चर्चा कीजिए ।